

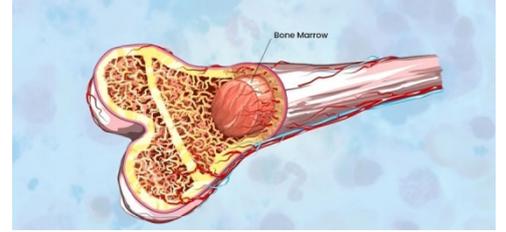


अस्थि मज्जा प्रत्यारोपण

संदर्भ: आर्मी हॉस्पिटल (R&R) ने एक दुर्लभ इम्यूनोडेफिशिएंसी विकार से पीड़ित 7 वर्षीय बच्चे के लिए सफलतापूर्वक जीवन रक्षक अस्थि मज्जा प्रत्यारोपण (Bone Marrow Transplant) किया है। यह अपने आप में प्रथम सफल प्रयोग है।

➤ अस्थि मज्जा प्रत्यारोपण की परिभाषा:

- यह चिकित्सा प्रक्रिया, अस्थि मज्जा को या तो रोगी के ही शरीर से या दाता की स्वस्थ कोशिकाओं से प्रतिस्थापित करती है।
- इसे स्टेम सेल या हेमेटोपोएटिक स्टेम सेल ट्रांसप्लांट के रूप में भी जाना जाता है।
- इसे मुख्य रूप से अन्य रक्त और प्रतिरक्षा प्रणाली विकारों के साथ-साथ ल्यूकेमिया, मायलोमा और लिम्फोमा जैसे कैंसर के इलाज के लिए उपयोग किया जाता है।



➤ स्टेम सेल और अस्थि मज्जा:

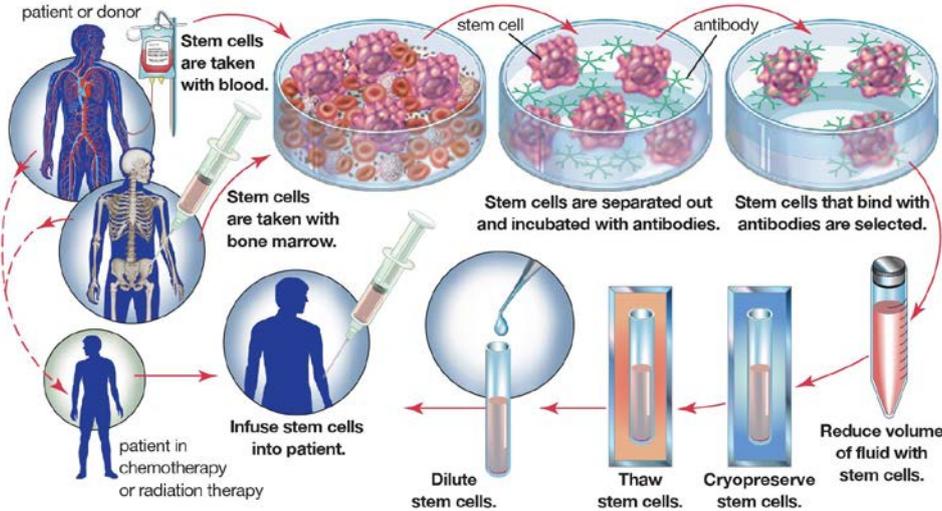
- स्टेम कोशिकाएँ विशिष्ट कोशिकाएँ होती हैं जिनमें शरीर के लिए आवश्यक विभिन्न प्रकार की कोशिकाओं की प्रतिकृति बनाने और उन्हें परिवर्तित करने की क्षमता होती है।
- शरीर के विभिन्न भागों में अलग-अलग समय पर विभिन्न प्रकार की स्टेम कोशिकाएँ पाई जाती हैं।
- रक्त कोशिका उत्पादन के लिए महत्वपूर्ण हेमेटोपोएटिक स्टेम कोशिकाएँ अस्थि मज्जा में स्थित होती हैं तथा यह रक्तप्रवाह में चलायमान रहती हैं।

➤ हेमेटोपोएटिक स्टेम सेल का महत्व:

- कैंसर और इसके उपचार हेमेटोपोएटिक स्टेम कोशिकाओं को हानि पहुंचा सकते हैं, जिससे लाल और श्वेत रुधिर कोशिकाओं एवं प्लेटलेट्स का उत्पादन प्रभावित हो सकता है।
- जहां लाल रक्त कोशिकाएँ ऑक्सीजन का वहन करती हैं, वहीं श्वेत रक्त कोशिकाएँ प्रतिरक्षा प्रणाली का हिस्सा होती हैं, तथा प्लेटलेट्स रक्त का थक्का बनाने में सहायता करते हैं।

➤ अस्थि मज्जा/स्टेम सेल प्रत्यारोपण प्रक्रिया:

- इस प्रक्रिया का उद्देश्य शरीर की आवश्यक रक्त कोशिकाओं का उत्पादन करने और संक्रमण से लड़ने की क्षमता को बहाल करना है।
- प्रत्यारोपण के दो मुख्य प्रकार, ऑटोलॉगस (रोगी की अपनी कोशिकाओं का उपयोग करके) तथा एलोजेनिक (दाता कोशिकाओं का उपयोग करके) होते हैं।



➤ प्रत्यारोपण के प्रकार:

• ऑटोलॉगस प्रत्यारोपण:

- इसमें रोगी की स्वयं की स्टेम कोशिकाओं का उपयोग किया जाता है। इस प्रक्रिया में कोशिका को बीमारी के उपचार से पहले एकत्र किया जाता है।
- उपचार के बाद, प्रतिरक्षा प्रणाली और रक्त कोशिका उत्पादन को बहाल करने के लिए स्टेम कोशिकाओं को पुनःस्थापित जाता है।

• एलोजेनिक प्रत्यारोपण:

- रोगी की कीमोथेरेपी या विकिरण से गुजरने के बाद दाता से प्राप्त स्टेम कोशिकाओं का उपयोग किया जाता है।
- प्रत्यारोपण की सफलता अक्सर भाई-बहन, परिवार या असंबंधित स्वयंसेवकों सहित उपयुक्त दाता साथी को खोजने पर निर्भर करती है।

• अन्य विकल्प:

- **गर्भनाल रक्त प्रत्यारोपण** : गर्भनाल रक्त से स्टेम कोशिकाओं का उपयोग किया जाता है।
- **माता-पिता-बच्चे का प्रत्यारोपण और हैप्लोटाइप बेमेल प्रत्यारोपण** : परिवार के सदस्यों में से 50% समानता शामिल होती है।

➤ ग्राफ्ट-बनाम-कैंसर प्रभाव : सामान्यतः एलोजेनिक ट्रांसप्लांट में नई स्टेम कोशिकाएँ शेष कैंसर कोशिकाओं की पहचान करके उन्हें खत्म कर देती हैं।





➤ **दाता मिलान:**

- दाता मिलान मानव ल्यूकोसाइट एंटीजन (HLA) पर आधारित है, जो ग्राफ्ट-बनाम-होस्ट रोग (GVHD) के जोखिम को कम करने के लिए महत्वपूर्ण है।
- भाई-बहन प्रायः बेहतर डाता सिद्ध होते हैं, लेकिन असंबंधित दाता या गर्भनाल रक्त प्रत्यारोपण भी बेहतर विकल्प सिद्ध हो सकता है।

➤ **प्रक्रिया चरण :**

- उपचार देने के लिए कैथेटर की प्रारंभिक नियुक्ति की जाती है।
- **ऑटोलॉग्स प्रत्यारोपण के लिए:**
 - स्टेम कोशिकाओं का संग्रह
 - कीमोथेरेपी या विकिरण के साथ पूर्व-प्रत्यारोपण उपचार
 - स्टेम कोशिकाओं का इंप्यूजन
 - कड़ी निगरानी के साथ पुनर्प्राप्ति
- **एलोजेनिक प्रत्यारोपण के लिए:**
 - संगत दाता की पहचान
 - दाता से स्टेम कोशिकाओं का संग्रह
 - कीमोथेरेपी के साथ प्री-ट्रांसप्लांट उपचार
 - दाता कोशिकाओं का इंप्यूजन
 - एंटीबायोटिक उपचार और GVHD रोकथाम के साथ रिकवरी

➤ **पुनर्प्राप्ति और निगरानी:**

- कोशिका पुनर्प्राप्ति, वृद्धि और संभावित दुष्प्रभावों की कठोर निगरानी।
- संक्रमण के जोखिम को कम करने के लिए एंटीबायोटिक दवाओं का सही तरीके से प्रयोग।
- दुष्प्रभावों और जटिलताओं को संबोधित करने और प्रबंधित करने के लिए निरंतर देखभाल।

➤ **जटिलता और वैयक्तिकरण:**

- ये प्रत्यारोपण जटिल चिकित्सा प्रक्रियाएं हैं और व्यक्तिगत मामलों के आधार पर विशिष्ट चरणों को समायोजित किया जा सकता है।
- मरीजों को अलग-अलग अवधि में विभिन्न चरणों के लिए अस्पताल में रहने की आवश्यकता हो सकती है।
- अपेक्षाओं को समझने और प्रबंधित करने के लिए स्वास्थ्य देखभाल टीमों के साथ नियमित संचार आवश्यक है।

लॉजिस्टिक्स ईज अक्रॉस डिफरेंट स्टेट (LEADS) 2023

संदर्भ: केंद्रीय वाणिज्य और उद्योग, उपभोक्ता मामले, खाद्य और सार्वजनिक वितरण और कपड़ा मंत्री श्री पीयूष गोयल ने "लॉजिस्टिक्स ईज अक्रॉस डिफरेंट स्टेट (LEADS) 2023" रिपोर्ट प्रस्तुत की।

➤ यह लॉजिस्टिक्स क्षेत्र में व्यापक सुधारों के लिए राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों का मार्गदर्शन करने वाली एक व्यापक रिपोर्ट है।

➤ **उद्देश्य और महत्व:**

- इसका उद्देश्य लॉजिस्टिक्स क्षेत्र में हितधारकों के लिए रणनीतिक अंतर्दृष्टि प्रदान करना है।
- लॉजिस्टिक्स प्रदर्शन को बढ़ाने के लिए राज्यों/केंद्रशासित प्रदेशों के बीच स्वस्थ प्रतिस्पर्धा को प्रोत्साहित करती है।
- यह विकसित भारत के दृष्टिकोण के अनुरूप है।

➤ **उल्लेखनीय पहलें और दृष्टिकोण:**

- पीएम गतिशक्ति, लॉजिस्टिक्स को 'उद्योग' का दर्जा देने और डिजिटल पहल को बढ़ावा देने जैसी प्रमुख पहलों के महत्व पर जोर दिया गया है।
- भारत की विकास दृष्टि में लॉजिस्टिक्स की भूमिका पर जोर देते हुए, 2047 तक इसे 3.5 ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर से दस गुना बढ़ाकर 35 ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर करने का लक्ष्य रखा गया है।

➤ **रिपोर्ट की मुख्य बातें:**

- यह रिपोर्ट मई और जुलाई 2023 की समयावधि में किए गए अखिल भारतीय प्राथमिक सर्वेक्षण पर आधारित है।
- 36 राज्यों/केंद्रशासित प्रदेशों में 7,300 से अधिक प्रतिक्रियाओं को शामिल किया गया है।
- विभिन्न समूहों (तटीय, स्थलबद्ध, उत्तर-पूर्व, केंद्र शासित प्रदेश) में उपलब्धियों, तेजी से आगे बढ़ने वालों और आकांक्षियों पर प्रकाश डाला गया है।

➤ **विकास और वस्तुनिष्ठता:**

- 2018 में परिकल्पित LEADS अपने मूल्यांकन में धारणा और निष्पक्षता दोनों को सम्मिलित करने हेतु विकसित की गई है।
- राज्य की पहलों के व्यापक स्पेक्ट्रम पर विचार करके लॉजिस्टिक्स प्रदर्शन सूचकांक से भिन्न रूप में विकसित की गई है।





- **राज्यों के प्रदर्शन में सकारात्मक बदलाव:**
 - लीड्स 2023, राज्यों के प्रदर्शन में, लॉजिस्टिक्स इन्फ्रास्ट्रक्चर, लॉजिस्टिक्स सेवाएं और परिचालन एवं विनियामक वातावरण जैसे स्तंभों में सकारात्मक बदलाव का संकेत देती है:
 - यह सूचित निर्णय लेने और व्यापक विकास के लिए क्षेत्र-विशिष्ट अंतर्दृष्टि प्रदान करती है।
- **LEADS 2023 में राज्यों का प्रदर्शन:**
 - **तटीय समूह:**
 - अचीवर्स : आंध्र प्रदेश, गुजरात, कर्नाटक, तमिलनाडु।
 - फास्ट मूवर्स : केरल, महाराष्ट्र।
 - आकांक्षी : गोवा, ओडिशा, पश्चिम बंगाल।
 - **स्थलबद्ध समूह:**
 - अचीवर्स: हरियाणा, पंजाब, तेलंगाना, उत्तर प्रदेश।
 - फास्ट मूवर्स : मध्य प्रदेश, राजस्थान, उत्तराखंड।
 - आकांक्षी : बिहार, छत्तीसगढ़, हिमाचल प्रदेश, झारखंड।
 - **उत्तर-पूर्व समूह :**
 - अचीवर्स: असम, सिक्किम, त्रिपुरा।
 - फास्ट मूवर्स : अरुणाचल प्रदेश, नागालैंड।
 - आकांक्षी : मणिपुर, मेघालय, मिजोरम।
 - **केंद्र शासित प्रदेश :**
 - अचीवर्स: चंडीगढ़, दिल्ली।
 - फास्ट मूवर्स : अंडमान और निकोबार, लक्षद्वीप, पुडुचेरी।
 - आकांक्षी : दमन और दीव/दादरा और नगर हवेली, जम्मू और कश्मीर, लद्दाख।
- **सहयोगात्मक विकास :**
 - सहयोगात्मक रूप से विकसित, LEADS 2023 रिपोर्ट बुनियादी ढांचे के विकास और प्रक्रिया-संबंधित सुधारों के मूल्यांकन में निष्पक्षता लाती है।
 - 23 राज्यों/केंद्रशासित प्रदेशों ने अपनी राज्य लॉजिस्टिक नीतियों को राष्ट्रीय लॉजिस्टिक नीति के साथ सम्बद्ध किया है।

CRISPR-आधारित उपचारों का अनुमोदन

संदर्भ: सिकल सेल रोग और β -थैलेसीमिया के लिए CRISPR-आधारित उपचारों को ब्रिटेन और अमेरिका दोनों में विनियामक अनुमोदन प्राप्त हुआ है, जो इन उच्च प्रत्याशित उपचारों के लिए एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है।

- यह अभूतपूर्व सफलता है जिसमें विरासत में मिली रक्त संबंधी बीमारियों का सामना कर रहे लाखों लोगों के जीवन को बदलने की क्षमता है।
- **थैलेसीमिया और सिकल-सेल एनीमिया की व्यापकता:**
 - थैलेसीमिया विश्व स्तर पर दस लाख से अधिक व्यक्तियों को प्रभावित करता है और लगभग 1,00,000 व्यक्ति नियमित रक्त संक्रमण पर निर्भर हैं।
 - अनुमानतः दुनिया भर में 20 मिलियन लोग सिकल-सेल एनीमिया से पीड़ित हैं।
- **CRISPR प्रणाली का विकास:**
 - CRISPR प्रणाली, जिसकी खोज लगभग तीन दशकों की अकादमिक अनुसंधान में की गई थी। क्लस्टर्ड रेगुलरली इंटरस्पेस्ड शॉर्ट पैलिन्ड्रोमिक रिपीट्स (CRISPR) की पहचान सर्वप्रथम 1993 में की गई।
 - CRISPR+ Cas प्रोटीन को 2005 में एक एंटीवायरल रक्षा प्रणाली के रूप में मान्यता दी गई थी। इसके लिए अभूतपूर्व काम करने वाले इमैनुएल चारपेंटियर और जेनिफर डौडना को 2020 में रसायन विज्ञान के नोबेल पुरस्कार से सम्मानित किया गया।
- **अनुप्रयोग और नवाचार:**
 - CRISPR-Cas9 प्रणाली सटीक डीएनए संपादन के लिए एक प्रोग्राम योग्य 'आणविक कैंची' के रूप में कार्य करती है।
 - फेंग झांग और जॉर्ज चर्च के नेतृत्व वाली टीमों ने यूकेरियोटिक जीवों के संपादन, आनुवंशिक उपचारों और कृषि प्रगति में अनुप्रयोगों को बढ़ावा देने में CRISPR-Cas9 के उपयोग का प्रदर्शन किया है।
- **चिकित्सा में CRISPR- कैसगेवी अनुमोदन:**
 - ब्रिटेन की मेडिसिन्स एंड हेल्थकेयर प्रोडक्ट्स रेगुलेटरी एजेंसी (MHRA) ने CRISPR-आधारित पद्धति " एक्सगैमग्लोजीन ऑटोटेमसेल" (कैसोवी) को मंजूरी दे दी है।
 - अमेरिकी खाद्य एवं औषधि प्रशासन (FDA) ने भी सिकल सेल रोग के इलाज के लिए कैसगेवी को मंजूरी दे दी है। इसे प्रमुख दवा नियामकों द्वारा अनुमोदित पहले CRISPR-आधारित उपचारों में से एक के रूप में चिह्नित किया गया है।
 - कैसगेवी में सामान्य लाल रक्त कोशिकाओं का उत्पादन करने के लिए रोगी के रक्त स्टेम कोशिकाओं को संशोधित करना सम्मिलित है।

Face to Face Centres





➤ **CRISPR प्रौद्योगिकियों का विकास:**

- वर्तमान प्रगति में बेस-एडिटिंग, प्राइम एडिटिंग और एपिजेनेटिक प्रभावों का संशोधन शामिल है।
- पहली पीढ़ी की CRISPR -आधारित थेरेपी अधिक प्रभावकारी और कुशल प्रौद्योगिकियों के लिए मार्ग प्रशस्त करती है।

➤ **थैलेसीमिया:**

- थैलेसीमिया एक वंशानुगत रक्त विकार है। यह अपर्याप्त हीमोग्लोबिन (लाल रक्त कोशिकाओं का एक महत्वपूर्ण घटक) की उत्पादन की स्थिति है।
- अपर्याप्त हीमोग्लोबिन से लाल रक्त कोशिका की कार्यक्षमता खराब हो जाती है और जीवनकाल छोटा हो जाता है, जिसके परिणामस्वरूप शरीर की कोशिकाओं तक ऑक्सीजन की आपूर्ति कम हो जाती है।
- **स्वास्थ्य पर प्रभाव:**
 - थैलेसीमिया में स्वस्थ लाल रक्त कोशिकाओं की कमी थकान, कमजोरी और सांस की तकलीफ के रूप में प्रकट हो सकती है, जिसे सामूहिक रूप से एनीमिया कहा जाता है।
 - गंभीर एनीमिया से अंग क्षति और संभावित मृत्यु का खतरा होता है।
- **थैलेसीमिया का वर्गीकरण:**
 - थैलेसीमिया को उसकी गंभीरता के आधार पर ट्रेट, माइनर, इंटरमीडिया और मेजर श्रेणियों में वर्गीकृत किया गया है।
 - थैलेसीमिया ट्रेट हल्के या कोई लक्षण प्रदर्शित नहीं कर सकता है, जिसके लिए किसी विशिष्ट उपचार की आवश्यकता नहीं होती है।
 - थैलेसीमिया मेजर सबसे गंभीर रूप का प्रतिनिधित्व करता है, जिसके लिए नियमित और व्यापक उपचार की आवश्यकता होती है।
- **थैलेसीमिया के प्रकार:**
 - **अल्फा थैलेसीमिया:**
 - ✓ अल्फा ग्लोबिन प्रोटीन श्रृंखला में दोष के कारण होता है।
 - ✓ एक दोषपूर्ण जीन के परिणामस्वरूप स्पर्शान्मुख अल्फा थैलेसीमिया मिनिमा होता है।
 - ✓ दो दोषपूर्ण जीन हल्के लक्षण पैदा कर सकते हैं, जिन्हें अल्फा थैलेसीमिया माइनर के रूप में जाना जाता है।
 - ✓ तीन दोषपूर्ण जीन मध्यम से गंभीर लक्षणों को जन्म देते हैं, जिसे हीमोग्लोबिन- H रोग कहा जाता है।
 - ✓ चार दोषपूर्ण जीनों के परिणामस्वरूप अक्सर मृत्यु हो जाती है या आजीवन रक्त आधान की आवश्यकता होती है, जिसे हीमोग्लोबिन बार्ट्स के साथ हाइड्रोप्स फेटेलिस कहा जाता है।
 - **बीटा थैलेसीमिया:**
 - ✓ बीटा-ग्लोबिन जीन में दोष के कारण होता है।
 - ✓ एक दोषपूर्ण जीन के परिणामस्वरूप हल्के लक्षण होते हैं, जिन्हें बीटा थैलेसीमिया माइनर के रूप में जाना जाता है।
 - ✓ दो दोषपूर्ण जीन मध्यम से गंभीर लक्षण पैदा करते हैं, जो थैलेसीमिया इंटरमीडिया या बीटा थैलेसीमिया मेजर/कूली एनीमिया के रूप में प्रस्तुत होते हैं।

NEWS IN BETWEEN THE LINES

दिल्ली के मेहतौली में स्थित योगमाया मंदिर (महाभारत काल से सम्बद्ध), हाल ही में मुगल संरचना से एक आधुनिक भवन में रूपांतरित कर दिया गया है।

योगमाया मंदिर के बारे में:

- योगमाया मंदिर, की प्राचीन जड़ें महाभारत काल से जुड़ी हुई हैं।
- 1806 और 1837 के बीच मुगल बादशाह अकबर द्वितीय के दरबार में एक कुलीन लाला सिधु मल द्वारा इसका निर्माण कराया गया था।
- यह मंदिर सांस्कृतिक महत्व रखता है, 'फूल वालों की सैर' जैसी परंपराओं के माध्यम से यह हिंदू-मुस्लिम एकता को बढ़ावा देता है।
- भागवत जैसे साहित्यिक स्रोत और ऐतिहासिक ग्रंथ मंदिर के संबंध को महाभारत युग से जोड़ते हैं, इसके निर्माण से युधिष्ठिर और भगवान कृष्ण की कहानियाँ जुड़ी हुई हैं।
- 19वीं शताब्दी में थॉमस मेटकॉफ जैसे इतिहासकारों के लेखों में अकबर द्वितीय के शासनकाल के दौरान योगमाया मंदिर के निर्माण का उल्लेख किया गया है, जो इसके ऐतिहासिक दस्तावेजीकरण की पुष्टि करता है।
- हाल ही में हुए परिवर्तन ने मंदिर की ऐतिहासिक वास्तुकला को आधुनिक वास्तुकला से बदल दिया है। इस रूपांतरण से जुड़े कारणों और प्रतिक्रियाओं को समझना मंदिर के इतिहास तथा भविष्य के लिए महत्वपूर्ण है।

योगमाया मंदिर



हाल ही में, तिब्बती आध्यात्मिक नेता 14वें दलाई लामा ने सिलीगुड़ी के सेड-ग्यूड मठ में अपने अनुयायियों को बोधिचित्त पर दो घंटों का उपदेश दिया।

बोधिचित्त के बारे में

- बोधिचित्त का अनुवाद "जागृति मन" या "आत्मज्ञान का विचार" के रूप में किया जाता है।
- यह महायान बौद्ध धर्म की शिक्षाओं में गहराई से अंतर्निहित एक महत्वपूर्ण सिद्धांत के रूप में कार्य करता है, जो अभ्यासकर्ताओं को परोपकारिता और निस्वार्थता के दयालु मार्ग पर मार्गदर्शन करता है।
- यह जागृति के मार्ग पर चलने और एक बोधिसत्व बनने की प्रतिबद्धता है, जो सभी प्राणियों की निर्वाण के लिए समर्पित है।
- बोधिचित्त दो प्रकार के होते हैं: पारंपरिक और अंतिम।
 - पारंपरिक बोधिचित्त एक ऐसा मन है जो प्राणियों को पीड़ा से मुक्त करना और उन्हें आत्मज्ञान की स्थिति में लाना चाहता है।
 - परम बोधिचित्त वह मन है जिसने शून्यता का एहसास कर लिया है।

बोधिचित्त



Face to Face Centres





<p>सूरत डायमंड बोर्स</p> 	<p>हाल ही में, भारत के प्रधान मंत्री ने गुजरात में सूरत डायमंड बोर्स का उद्घाटन किया। सूरत डायमंड बोर्स के बारे में:</p> <ul style="list-style-type: none"> ➤ सूरत डायमंड बोर्स (SDB) सूरत, गुजरात, भारत में एक बड़े पैमाने की परियोजना है। ➤ 67 लाख वर्ग फुट से अधिक फ्लोर एरिया के साथ यह दुनिया का सबसे बड़ा कॉर्पोरेट ऑफिस हब है। ➤ यह कच्चे व पॉलिश किए गए हीरे और आभूषणों के व्यापार का एक वैश्विक केंद्र भी है। ➤ यह 35.54 एकड़ में फैला हुआ है और इसमें राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय व्यापारियों के लिए 4,500 कार्यालय हैं। ➤ निर्यात-आयात के लिए सीमा शुल्क निकासी केंद्र, एक आभूषण मॉल, अंतरराष्ट्रीय बैंकिंग और सुरक्षित लॉकर जैसी सुविधाएं भी मौजूद हैं। ➤ इसका निर्माण मुंबई से सूरत तक हीरा व्यापार व्यवसाय को विस्तारित और समेकित करने के लिए किया गया है। ➤ परिसर की समग्र संरचना मई 2022 में पूरी हो गई थी, और समग्र निर्माण 26 जुलाई, 2023 को समाप्त हो गया था। ➤ 22 अगस्त, 2023 को गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड्स ने आधिकारिक तौर पर इसे पेंटागन को पीछे छोड़ते हुए दुनिया की सबसे बड़ी कार्यालय इमारत घोषित किया था। ➤ इसे पर्यावरण की दृष्टि से टिकाऊ प्रथाओं और डिजाइन के लिए इंडियन ग्रीन बिल्डिंग काउंसिल (IGBC) से प्रतिष्ठित प्लैटिनम रेटिंग प्राप्त हुई है।
<p>चर्चित स्थल</p> <p>भूटान</p>	<p>हाल ही में, भूटान ने असम की सीमा पर 1,000 वर्ग किमी मीटर से अधिक क्षेत्र में एक विशाल "अंतर्राष्ट्रीय शहर" बनाने की योजना बनाई है। भूटान (राजधानी: थिम्पू) अवस्थिति : भूटान, दक्षिण-मध्य एशिया का एक भू-आबद्ध देश है जो पूर्वी हिमालय पर स्थित है। राजनीतिक सीमाएँ: भूटान की सीमा उत्तर में चीन और दक्षिण, पूर्व और पश्चिम में भारत से लगती है। भौगोलिक विशेषताएँ:</p> <ul style="list-style-type: none"> ➤ माउंट जोमोलहारी और गंगखार पुएनसम भूटान की प्रमुख चोटियाँ हैं। ➤ यहाँ पारो और पुनाखा घाटियाँ जैसी नदियों द्वारा बनाई गई हरी-भरी घाटियाँ हैं। ➤ द्रंगमे छू, संकोश और मानस नदी जैसी नदियाँ भूटान से होकर बहती हैं। 
<p>चर्चित व्यक्तित्व</p> <p>गुरु तेग बहादुर</p>	<p>हाल ही में भारत के प्रधानमंत्री ने सिख गुरु तेग बहादुर की शहादत को याद करते हुए उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। गुरु तेग बहादुर (1621-1675)</p> <ul style="list-style-type: none"> ➤ गुरु तेग बहादुर दस सिख गुरुओं में से नौवें थे। ➤ वह एक महान शिक्षक, और एक प्रसिद्ध सेनानी, विचारक और कवि थे। ➤ उनके बचपन का नाम त्याग मल था, जिसका अर्थ है "त्याग का स्वामी"। ➤ उन्होंने कश्मीरी पंडितों और अन्य गैर-मुसलमानों के जबरन धर्मांतरण का विरोध किया और धार्मिक अत्याचार के विरुद्ध प्रतिरोध किया। ➤ उनकी रचनाओं में लगभग 116 काव्य भजन शामिल हैं, जो पवित्र ग्रंथ 'गुरु ग्रंथ साहिब' में संरक्षित हैं। ➤ उन्होंने अपने एक मिशन के दौरान पंजाब में चक्र-नानकी शहर की स्थापना की, जो बाद में आनंदपुर साहिब का हिस्सा बन गया। ➤ इस्लाम अपनाने से इनकार करने पर 1675 में सम्राट औरंगजेब द्वारा दिल्ली में सार्वजनिक रूप से उनका सिर कलम कर दिया गया। ➤ मुगलों से लड़ने में उनकी वीरता के कारण उन्हें गुरु हरगोबिंद से "तेग बहादुर" (तलवार के पराक्रमी) नाम मिला। ➤ गुरुद्वारा शीशगंज साहिब उनका शहादत स्थल है। ➤ गुरुद्वारा रकाब गंज साहिब में उनका अंतिम संस्कार किया गया था। 

POINTS TO PONDER

- ❖ जापान के वाकायामा प्रान्त में खोजे गए शीर्ष शिकारी मोसासोर जीवाश्म को क्या नाम दिया गया है? - **वाकायामा सोरयू**
- ❖ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने दुनिया के सबसे बड़े कार्यालय स्थल का उद्घाटन कहाँ किया? - **सूरत डायमंड बोर्स, गुजरात**
- ❖ किस देश ने भारत के साथ अपनी सीमा पर एक अंतर्राष्ट्रीय हरित शहर बनाने की घोषणा की है? - **भूटान**
- ❖ दुकुम बंदरगाह किस देश में स्थित है? - **ओमान**
- ❖ इंडियन टेंट टर्टल की IUCN स्थिति क्या है? - **कम चिंताग्रस्त (Least concern)**

